कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

जून 2025, अंक 14

गर्मियों के मौसम में पशुओं के प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा अनुसूचित जाति उप–योजना के अन्तर्गत सरदारशहर तहसील के किसानों हेतु दिनांक 5 से 8 मई 2025 तक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें गांव बरजालसर के 33 पशुपालाकों ने भाग लिया । प्रशिक्षण दौरान विशेषज्ञों ने पशुओं को गर्मी के तनाव से मुक्त करने हेतु पशु आवास में उचित वेंटीलेसन, पर्याप्त ओर स्वच्छ पानी की उपलब्धता, आहार में बदलाव, विभिन्न रोगों से बचाव हेतु तकनीकी परामर्श दिया साथ ही पशु स्वास्थय, पोषण, प्रजनन एवं सामान्य प्रबंधन से संबंधित व्यावहारिक सत्र और प्रदर्शन शामिल किये गये । प्रशिक्षणार्थियों को पशुओं में गर्मी के तनाव के लक्षणों की पहचान और उससे निपटने के लिए तत्काल उपाय करने के तरीके सीखे ।

मिट्टी जांच परीक्षण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा ''वैज्ञानिक विधि से पानी व मिट्टी जांच की उपयोगिता '' विषय पर दिनांक 8 मई, 2025 को ग्रामीण युवाओं हेतु प्रशिक्षण का आयोजन रतनगढ तहसील के ग्राम लद्दासर में किया गया । इस प्रशिक्षण के दौरान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विनोद कुमार सैनी ने खरीफ फसलों की बुवाई से पहले मृदा परीक्षण, नमूने लेने की विधि, मृदा स्वास्थय कार्ड के बारे में किसानों को जानकारी दी तथा परीक्षण परिणामों के आधार पर मिट्टी में पोषक तत्वों के उचित प्रयोग तथा उचित भूमि सुधार तकनीकों, लवणीय व क्षारीय भूमि में खरीफ फसलों (बाजरा, मूंगफली, मूंग, मोठ, तिल) के प्रबंधन हेतु अपनायें जाने वाले विभिन्न पोषक तत्वों के अनुप्रयोग विधि के बारे में भी सामूहिक वार्तालाप किया । कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षणार्थियों को किसान के खेत पर जाकर मिट्टी नमूना लेने की विधि का प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया ।

सांगरी परिरक्षण विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा दिनांक 9 मई 2025 को सांगरी के पोषण मूल्य एवं परिरक्षण विषय पर असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें बरलाजसर गांव की 27 महिलाओ एवं युवतियों ने भाग लिया । इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्थानीय संसाधनों के पोषणीय महत्व को समझकर मूल्य संवर्धन की दिशा में प्रेरित करना था । इस कार्यक्रम अन्तर्गत सांगरी में पाये जाने वाले विभिन्न पोषक तत्वों (प्रोटीन, फाइबर, आयरन, केल्सियम, एंटीऑक्सीडेंट, रेशा) आदि के मानक तथा भंडारण की वैज्ञानिक विधियों को विस्तारपूर्वक समझाया साथ ही सांगरी के विभिन्न प्रकार के आचार के परिरक्षण की जानकारी देते हुए युवतियों को ग्रामीण स्तर पर खेजडी की थार शोभा किस्म के पौधे लगाकर आय सर्जन करने हेतु भी प्रोत्साहित किया । इस अवसर पर बागवानी विशेषज्ञ श्री अजय कुमावत ने खेजडी को लगाने की रोपण विधि, पौधे से पौधे की दूरी तथा उर्वरक एवं खाद प्रबंधन की भी जानकारी दी ।

बगीचा स्थापना तकनीकी विषय पर प्रशिक्षण

किसानों को बागवानी की नवीनतम तकनीकों से अवगत कराने के उद्देश्य से दिनांक 13 से 16 मई 2025 को कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा फल बगीचे की स्थापना एवं रोपण विधि विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण में 23 प्रगतिशील किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । प्रशिक्षण संयोजक श्री अजय

कुमावत ने किसानों को सफल बगीचा स्थापना करने के विभिन्न पहलूओं पर विस्तृत जानकारी दी । प्रशिक्षण दौरान फलदार पौधों को लगाने से पहले भूमि का चयन, मिट्टी की जांच तथा भूमि की तैयारी हेतु तकनीकी परामर्श दिया गया । किसानों ने विभिन्न शुष्कीय क्षैत्र के फलों के पौधों के पोषक तत्व प्रबंधन, रोपण विधि, पोधों के चयन, नर्सरी से स्वस्थ पौधों का चयन तथा वैज्ञानिक तरीके से रोपण विधि के बारे में सीखा । प्रशिक्षण दौरान किसानों को फलों की गुणवता एवं उपज बढाने हेतु आवश्यक आधुनिक तकनीक जैसेः–कटाई, छंटाई (प्रुनिंग विधि) कीट एवं रोग नियंत्रण तथा सिंचाई की आधुनिक तकनीक को अपनाने हेतु प्रेरित किया गया ।

लेहसुआ परिरक्षण विषय पर संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा दिनांक 20 से 21 मई 2025 को लेहसुआ के परिरक्षण एवं मूल्य सवंर्धन विषय पर ग्रामीण युवतियों हेतु संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 17 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया । प्रशिक्षण दौरान लेहसुआ के पोषक मूल्यों एवं इससे बनने वाले आचार के बारे में विस्तृत चर्चा की गई एवं मिक्स आचार बनाना सिखाया । साथ ही लेहसुआ की किस्म थार बोल्ड को लगाने की विधि, पोषण प्रबंधन एवं देखरेख के बारे में भी सामुहिक चर्चा की गई । प्रशिक्षणार्थियों को लेहसुआ बगीचा इकाई में भ्रमण करवाया गया तथा महिलाओं को आचार संबंधित उधम स्थापित करने हेतु प्रेरित किया गया ।

मिट्टी एवं पानी सरंक्षण तकनीक विषय पर प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा दिनांक 21 मई 2025 को ग्राम भोजूसर में ''मिट्टी एवं पानी सरंक्षण तकनीक'' विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें 20 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया । कार्यक्रम के दौरान डॉ. विनोद कुमार सैनी द्वारा मिट्टी सरंक्षण हेतु फसल चक्र अपनाने, जैविक खाद (सुपर कम्पोस्ट, कम्पोस्ट, वर्मी कम्पोस्ट) का प्रयोग करने एवं एसएचसी अनुसार उपयुक्त पोषक तत्वों का प्रयोग करने हेतु प्रशिक्षित किया गया साथ ही पानी सरंक्षण हेतु सांझा जल संग्रहण तकनीक अपनाने, बूंद–बूंद सिंचाई, मल्चिंग एवं स्प्रिकलर सिंचाई प्रणाली का अधिकाधिक प्रयोग करने हेतु वार्तालाप किया गया । कार्यक्रम दौरान जल बचत हेतु शपथ दिलवाई गई ताकि ग्रामीण स्तर जल सरंक्षण अभियान मुहिम में किसानों की अधिकाधिक भागीदारी हो सके ।

विकसित कृषि संकल्प अभियान अन्तर्गत गतिविधियॉ

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान (खरीफ 2025) हेतू जागरूकता एवं उन्नत कृषि तकनीक के वैज्ञानिक हस्तान्तरण अभियान का शुभारंभ दिनांक 29 मई 2025 को सरदारशहर ब्लॉक के 6 गांवों (बरलाजसर, जीवणदेसर, मेहरासर, अडमालसर, हरपालसर, दुलरासर आदि) में किया गया जिसमें जिसमें कृषि विभाग, चूरू एवं आत्मा विभाग, चूरू के समन्वय से ग्रामीण स्तर पर कृषि शिविरों का आयोजन कर खरीफ फसलों (बाजरा, मूंग, मोठ, तिल, कपास, मूंगफली आदि) की बुवाई विधि, बीजोपचार तकनीक, उन्नत बीज के सरंक्षण, भूमि सूधार जैसी तकनीक पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई । कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा इस अभियान अन्तर्गत चूरू जिले के सरदारशहर, बीदासर, सुजानगढ एवं रतनगढ तहसीलों के 90 गांवों के किसानों के साथ तकनीकी समन्वय हेतु सार्थक चर्चा का लक्ष्य रखा

गया है । इस सभा में किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक खेती एवं जलवायु अनुकूल खेती को बढावा देने हेतु भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न अनुदान योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर अधिकाधिक पंजीकरण हेतु प्रेरित किया गया । कृषि विज्ञान केन्द्र के समस्त विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा पीएम–किसान योजना, मृदा स्वास्थय कार्ड, कृषि संबंधित उन्नत तकनीक, टिकाउ खेती एवं खेती में आने वाली समस्त बाधाओं के स्थाई समाधान हेतु सामूहिक कृषक वार्ता भी गई साथ ही प्रगतिशील किसानों की नवीन तकनीकों का संकलन किया गया ।

लनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान)	डॉ. वी. के. सैनी
श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ)	Designed श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ)	Typed श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	कृषि विज्ञान केन्द्र,
श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ)		सरदारशहर,चूरू–I
श्री कानाराम सोढ (फार्म मैनेजर)		
श्री रमेश चौधरी (वरिष्ठ अनुसन्धान अध्येता-NICRA)		